11/9/22, 11:00 AM

(24) WhatsApp

V. C. Sir @ AYUSH University GKP
yesterday at 9:31 am

8 नवंबर, 2022
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 12+4=16
www.jagran.com
दैनिक जागरण
प्रेम व सेवा है परमात्मा को पाने का मार्ग जागरण सिटी ॥

आयुष कालेजों में 891 फर्जी प्रवेश की जांच सीबीआइ को

निदेशक आयुष समेत दो निलंबित दो पर विभागीय कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : आयुष कालेजों में हुए 891 फर्जी दाखिलों की सीबीआइ जांच होगी। इस मामले में उत्तरप्रदेश के मिट्टू जैसे तमाम की जांच के आदेश निर्गत किए हैं। इसके पहले पहले से लगातार सवाल उठने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले की सीबीआइ जांच कराने का निर्देश दिया। इसके बाद इस विभाग ने देर सवेर की सीबीआइ जांच के संबंध पत्र भेज दिया है। माना जा रहा है कि जल्द ही सीबीआइ जांच शुरू कर देगी।

वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर कार्यवाहक निदेशक आयुष, लखनऊ (डा.एम.सी. कार्टीकेयन मुदलियार, रिटायर्ड) ने दो एसएसपी सिंह व उनके अधीनस्थ सिंह निदेशालय, आयुष, लखनऊ (मुनाफ, प्रोग्राम एक्सीलेंस आयुष, सेंट्रल हाउस, लखनऊ) को उनके पदों से निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा उनके अधीनस्थ कुमार निदेशालय व मोहम्मद वसीम एवं कार्यवाहक संयुक्त निदेशक शिक्षा तिवारीपुर निदेशालय के विजय कुमार के मिट्टू विवरण कार्यवाही शुरू की गई है।

प्रदेश के आयुष कालेजों में पिछले सत्र-2021 में 891 फर्जी दाखिले किए जाने का मामला सामने आया है। इसमें निदेशक, आयुर्वेदिक सेवाएं ने एसएसपी सिंह की और से पत्र जारी कर लखनऊ की राजकीय यूनानी कालेज में एक पंजीयन का काम का ही बताया आयुष पाठ्यक्रमों तथा एसके टूर मेडिकल कैरेज के-3 सहित सात प्राइवेट निजीकरण के अतिरिक्त कुमार सिंह

बताया है पंजीयनों में हुई धांधली की जांच का रही है। जिसमें मेडिकल की आयुष पाठ्यक्रमों तथा एसके टूर मेडिकल कैरेज में जुड़े 10 लोगों से अलग-अलग तरीके पूछताछ की और तलाशने पाया गया।

कालेजों सहित निदेशालय में भी दाखिलों में जुड़े तमाम सीन किए जा चुके हैं। मामले में आयुर्वेद निदेशालय, [illegible] निदेशालय

सत्र-2021 में नीट-यूजी की मेरिट की दर्शाकर का ऐसे कई अभ्यर्थियों को आयुष कालेजों में प्रवेश दिया गया, जिनके नाम मेरिट लिस्ट में नहीं थे।

इतना ही नहीं, कम मेरिट वाले छात्रों को अच्छे कालेज में आवंटित किए गए थे। केंद्रीयस्तर, केंद्रीयस्तर व केंद्रशासित पाठ्यक्रमों में ऐसे [illegible] विद्यार्थियों को पता इस से

कुलपति प्रो. विनय पाठक पर कसेगा ईडी का भी शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : प्रदेश के आयुष कालेजों में हुए घपले के आरोपी राजकीय यूनानी चिकित्सालय के कुलपति प्रो विनय पाठक की मुश्किलें जल्द और बढ़ सकती हैं। कालेजों के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी इनके मिट्टू अपने जांच शुरू करने की तैयारी में है। सूत्रों का कहना है कि ईडी ने न्यायालय मुख्य कोषागार से विनय पाठक के मिट्टू एवं मुकदमे का ब्योरा व अन्य जानकारियां मांगी हैं। ईडी के न्यायालय स्थित जोनल कार्यालय के अधिकारियों ने न्यायालय के मुख्य कोषागार को पत्र लिखा है। कुलपति विनय पाठक के मिट्टू न्यायालय के निदेशालय होने से मुकदमा दर्ज है।

प्रो विनय पाठक पर आरोप है कि राजकीय चिकित्सालय/चिकित्सालय के कुलपति के पद पर नियुक्त होने के पहले कर्मचारियों के आरोप हैं। कालेजों में किसी भाई रखने

सरकारी कुर्सियों से मांगी सूचनाएं छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय के वैसे पत्र के लखनऊ सहारे ही छानबीनकर्ता से आदेश

की कागजी कमाई को सफेद करने के लिए अपने नाम की भी आशंका है। यही कारण है कि ईडी ने न्यायालय मुख्य कोषागार के अधिकारियों से अब तक जुटाए गए सभी संबंधित अन्य जानकारियां मांगी हैं। निरस्तर अधीक्षक अजय मिश्रा व अजय जैन के बारे में भी जानकारियां मांगी गई हैं। मुकदमे की जांच कर रहे एसटीएफ ने मुकदमा दर्ज होने के तत्काल बाद अधीक्षक अजय मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया था। अजय जैन को हिरासत की गिरफ्तार कर लिया था। अजय जैन पर विनय पाठक को काली कमाई छिपाने लगाने का आरोप है। यही से विनय पाठक ने जमानत के लिए हाई कोर्ट की शरण ली है। शेष पेज 5

https://web.whatsapp.com